40.1° अधिकतम
26.0° न्यूनतम

www.twitter.com/worldkhabarexpress
www.facebook.com/worldkhabarexpress
www.youtube.com/worldkhabarexpress

WORLD खबरें एक्सप्रेस

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती योजना के तहत पांच दिवसीय कृषि सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

वर्ल्ड खबर एक्सप्रेस

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, हजरतपुर में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत आयोजित पांच दिवसीय कृषि सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को समापन हो गया। प्रशिक्षण का आयोजन कृषि विभाग द्वारा कराया गया था, जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने प्रतिभागी महिलाओं को प्राकृतिक खेती की बारीकियों से परिचित कराया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ. ओमकार सिंह ने बताया कि खेतों में वर्षभर फसल उगाने से अच्छादन बना रहता है, जिससे मृदा में जैविक कार्बन की मात्रा में वृद्धि होती है। यह भूमि की उर्वरता बनाए रखने और टिकाऊ

खेती के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्राविधिक सहायक पंकज कुमार सिंह ने प्रशिक्षण के दौरान प्राकृतिक खेती के सात प्रमुख सूत्रों — न्यूनतम जुताई, खेत में आच्छादन बनाए रखना, सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली अपनाना, फसल चक्र का पालन करना, सहफसली खेती करना तथा रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का प्रयोग न करना — पर विस्तार से जानकारी दी।

एसएमएस सर्वेश कुमार ने कृषि सखियों की भूमिका, प्रशिक्षण, प्रदर्शन और योजना के कार्यान्वयन में उनके योगदान की महत्ता को रेखांकित किया। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. नौशाद आलम ने प्रशिक्षणार्थियों को कृषि प्रक्षेत्र का भ्रमण कराते हुए देशी गाय के गोबर और गौमूत्र से तैयार किए जाने वाले बिजामृत, जीवामृत और नीमास्त्र जैसे जैविक उत्पादों के निर्माण एवं उपयोग की विधियों को वीडियो के माध्यम से प्रदर्शित किया। वरिष्ठ उद्यान वैज्ञानिक डॉ. सुभाष चंद्र ने फल, फूल एवं सब्जियों की प्राकृतिक खेती विषय पर प्रशिक्षण दिया और इसके व्यावहारिक लाभों को समझाया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन में कृषि विज्ञान केंद्र और कृषि विभाग के समस्त कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

फल, फूल और सब्जियों की प्राकृतिक खेती करें

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती योजना अंतर्गत पांच दिवसीय कृषि सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

डीटीएनएन। कानपुर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित हजरतपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर कृषि विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय कृषि सखियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अंतर्गत संपादित कराया गया। अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉक्टर ओमकार सिंह ने कृषि सखियों को बताया कि वर्ष भर खेतों में फसले करने से अच्छादन होता है जिससे मृदा में जीवाश कार्बन लगातार बढ़ता है जो खेती हेतु बहुत उपयोगी है। प्राविधिक सहायक पंकज कुमार सिंह ने प्राकृतिक खेती के सात सूत्र न्यूनतम जुताई, आच्छादन, सूक्ष्म सिंचाई, फसल चक्र, सह फसली खेती, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का प्रयोग न करना आदि विषय पर जानकारी दी। जबकि एसएमएस सर्वेश कुमार ने कृषि सखियों की भूमिका ,प्रशिक्षण ,प्रदर्शन ,योजना कार्यान्वयन में सहयोग आदि विषयों पर जानकारी दी केंद्र के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर नौशाद आलम ने कृषि प्रक्षेत्र पर भ्रमण कराया तथा देशी गाय के गोबर व गौ मूत्र से बिजामृत, जीवामृत नीमस्त्र आदि बनाने की वीडियो पर जोर दिया। केंद्र के वरिष्ठ उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर सुभाष चंद्र ने फल, फूल तथा सब्जियों की प्राकृतिक खेती विषय पर जानकारी दी। इस प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विभाग के समस्त कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

पाठक, डॉक्टर विवेकानंद यादव सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

बेहतर फसल उत्पादन हेतु मिट्टी परीक्षण करवाना आवश्यक – डॉ खलील खान

मिट्टी परीक्षण हेतु चलाया जा रहा है जनजागरण अभियान

दि ग्राम टुडे, कानपुर।(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषक प्रशिक्षण में बताया कि गर्मी में खेत खाली होते ही मिट्टी की जांच करवाए, बेहतर फसल उत्पादन हेतु मिट्टी परीक्षण करवाना नितांत आवश्यक है, यह उद्गार मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने विकासखण्ड मैथा के ग्राम प्रतापपुर में मृदा परीक्षण पर आधारित प्रशिक्षण में कृषकों एवं महिला कृषकों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कृषकों से कहा कि मिट्टी की जांच के बिना उर्वरको का इस्तेमाल करना, ठीक उसी तरह से है जैसे बिना डॉक्टर की सलाह के दवा का प्रयोग करना, इसलिए समय-समय पर मिट्टी का परीक्षण कर पोषक तत्वो के स्तर की जांच कर कृषि वैज्ञानिको के मार्गदर्शन में संतुलित मात्रा में खाद का उपयोग करें। उल्लेखनीय है कि कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के तत्वाधान में मृदा परीक्षण के संबंध में कृषकों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से निरन्तर जन-जागरण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत गांव-गांव मिट्टी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। डॉक्टर खलील खान ने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि जिस प्रकार से आप आयुष्मान कार्ड की उपयोगिता है, उसी प्रकार मृदा स्वास्थ्य कार्ड की भी है, इसे आप उसी प्रकार संभाल कर रखें, उसके अनुशंसित मात्रा के अनुसार उर्वरको का उपयोग करें। उन्होंने बताया कि प्रति इकाई लागत से अधिकतम उत्पादन हेतु परीक्षण नगण्य लागत वाला

संसाधन है। प्रशिक्षण को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक ने जांच हेतु मिट्टी के नमूने लेने के बारे में कृषकों को बताया तथा कहा कि जो भी किसान खरीफ फसल की तैयारी कर रहे है, तो वे जरूर अपनी मिट्टी ... ने जिससे की मिट्टी में कौन-कौन से पोषक कितनी मात्रा में है त... की कमी है पता चल जाएगा। शुभम यादव, गौरव शुक्ला ... में प्रतापपुर ग्राम के मुख्य रूप से 40-50 कृषक, महिला कृषक उपस्थि...

वर्ष-18 अंक-178 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, रविवार 27 अप्रैल 2025

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

दैनिक नगर छाया

RNI No.- UPHIN/2007/27090

आप की आवाज़.....

बेहतर फसल उत्पादन हेतु मिट्टी परीक्षण करवाना आवश्यक: डॉ. खलील खान

मिट्टी परीक्षण हेतु चलाया जा रहा है जनजागरण अभियान

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषक प्रशिक्षण में बताया कि गर्मी में खेत खाली होते ही मिट्टी की जांच करवाए, बेहतर फसल उत्पादन हेतु मिट्टी परीक्षण करवाना नितांत आवश्यक है, यह उद्गार मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने विकासखण्ड मैथा के ग्राम प्रतापपुर में मृदा परीक्षण पर आधारित प्रशिक्षण में कृषकों एवं महिला कृषकों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कृषकों से कहा कि मिट्टी की जांच के बिना उर्वरको का इस्तेमाल करना, ठीक उसी तरह से है जैसे बिना डॉक्टर की सलाह के दवा का प्रयोग करना, इसलिए समय-समय पर मिट्टी का परीक्षण कर पोषक तत्वो के स्तर की जांच कर कृषि वैज्ञानिको के मार्गदर्शन में संतुलित मात्रा में खाद का उपयोग करें।

उल्लेखनीय है कि कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के तत्वाधान में मृदा परीक्षण के संबंध में कृषकों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से निरन्तर जन-जागरण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत् गांव-गांव मिट्टी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। डॉक्टर खलील खान ने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि जिस प्रकार से आप आयुष्मान कार्ड की उपयोगिता है, उसी प्रकार मृदा स्वास्थ्य कार्ड की भी है, इसे आप उसी प्रकार संभाल कर रखें, उसके अनुशंसित मात्रा के अनुसार उर्वरको का उपयोग करें। उन्होंने बताया कि प्रति इकाई लागत से अधिकतम उत्पादन हेतु परीक्षण नगण्य लागत वाला संसाधन है। प्रशिक्षण को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक ने जांच हेतु मिट्टी के नमूने लेने के बारे में कृषकों को बताया तथा कहा कि जो भी किसान खरीफ फसल की तैयारी कर रहे है, तो वे जरूर अपनी मिट्टी की जांच करा ले जिससे की मिट्टी में कौन-कौन से पोषक कितनी मात्रा में है तथा किन-किन तत्वों की कमी है पता चल जाएगा। शुभम् यादव, गौरव शुक्ला सहित कार्यक्रम में प्रतापपुर ग्राम के मुख्य रूप से 40-50 कृषक, महिला कृषक उपस्थित रहे।

र्य दिवस में उसी समय खोली जायेगी।
होता है, तो उसकी सूचना ऑनलाइन

कार्य पूर्ण करने की अवधि	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य/स्टेशनरी चार्ज
6	7	8
3 माह	1.62	854.00
3 माह	1.63	854.00
3 माह	1.58	854.00
3 माह	1.13	854.00

gov.nic.in सूचना विभाग की वेबसाइट ation.up.nic. in एवं ई-टेण्डर पोर्टल ढ प्रपत्र के साथ उपलब्ध होंगी जो निविदा be done offline financial bid will ned at 2.00 PM hrs on dated 08-

(अनुराग गुप्ता)
अधिशासी अभियन्ता
लघु सिंचाई खण्ड, इटावा

बेहतर फसल उत्पादन हेतु मिट्टी परीक्षण करवाना आवश्यक

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषक प्रशिक्षण में बताया कि गर्मी में खेत खाली होते ही मिट्टी की जांच करवाए, बेहतर फसल उत्पादन हेतु मिट्टी परीक्षण करवाना नितांत आवश्यक है, यह उद्गार मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने विकासखण्ड मैथा के ग्राम प्रतापपुर में मृदा परीक्षण पर आधारित प्रशिक्षण में कृषकों एवं महिला कृषकों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कृषकों से कहा कि मिट्टी की जांच के बिना उर्वरको का इस्तेमाल करना, ठीक उसी तरह से है जैसे बिना डॉक्टर की सलाह के दवा का प्रयोग करना।

19	कार्य।
20	ग्राम जमालपुर में
21	ग्राम जमालपुर में कार्य।
22	ग्राम सिल्हौला म का निर्माण कार्य
23	ग्राम हाजिरपुर में
24	ग्राम जटियापुर मे इण्टरलॉकिंग रोड
25	ग्राम इंद्रपुरा में र रोड का निर्माण
26	विकास खण्ड प पुताई कार्य।
27	सघन सहकारी स

(1) दरों की वैधत के रिवेन्यू स्टाम्प
(2) धरोहर धनरा
(3) अनुबन्ध पत्र के माध्यम से जमा
(4) अनुबन्ध के
(5) भुगतान में नि जायेगी अथवा स मानक संस्था द्वारा
(6) सामग्री की ग होने पर रिक
(7) निविदा बिना होगा।
(8) निविदा के अ
(9) सशर्त निविद
(10) प्रत्येक कार्य
(11) निविदा में प्र
(12) निविदा खुल खोली जायेगी

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com |

'बेहतर फसल उत्पादन के लिये मिट्टी का परीक्षण करवाना जरूरी'

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने कृषक प्रशिक्षण में बताया कि गर्मी में खेत खाली होते ही मिट्टी की जांच करवाएं। बेहतर फसल उत्पादन के लिये मिट्टी परीक्षण करवाना आवश्यक है।

यह उद्गार मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने विकासखण्ड मैथा के ग्राम प्रतापपुर में मृदा परीक्षण पर आधारित प्रशिक्षण में कृषकों एवं महिला कृषकों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कृषकों से कहा कि मिट्टी की जांच के बिना उर्वरको का इस्तेमाल करना, ठीक उसी तरह से है जैसे बिना डॉक्टर की सलाह के दवा का प्रयोग करना, इसलिए समयसमय पर मिट्टी का परीक्षण कर पोषक तत्वों के स्तर की जांच करा कर कृषि वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में संतुलित मात्रा में खाद का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत गांवगांव मिट्टी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। डॉ. खान ने कहा कि जिस प्रकार से आयुष्मान कार्ड की उपयोगिता है, उसी प्रकार मृदा स्वास्थ्य कार्ड की भी है। अनुशंसित मात्रा के अनुसार उर्वरकों का उपयोग करें। उन्होंने बताया कि प्रति इकाई लागत से अधिकतम उत्पादन के लिये परीक्षण नगण्य लागत वाला संसाधन है। कहा कि जो भी किसान खरीफ फसल की तैयारी कर रहे हैं, तो वे जरूर अपनी मिट्टी की जांच करा लें, जिससे की मिट्टी में कौनकौन से पोषक कितनी मात्रा में हैं एवं किनकिन तत्वों की कमी है पता चल जाएगा।

मिट्टी परीक्षण के लिए किसानों को जागरूक करते डॉक्टर खलील खान। फोटो : एसएनबी

सीएसए में चला मिट्टी परीक्षण के लिये जनजागरण अभियान

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स

E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com

सत्य ही कर्तव्य

अंक :96 कानपुर, रविवार 27 अप्रैल 2025 RNI UPHIN/2010/47220 पृष्ठ : 4

बेहतर फसल उत्पादन हेतु मिट्टी परीक्षण करवाना आवश्यक - डॉ खलील खान

मिट्टी परीक्षण हेतु चलाया जा रहा है जनजागरण अभियान

अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषक प्रशिक्षण में बताया कि गर्मी में खेत खाली होते ही मिट्टी की जांच करवाए, बेहतर फसल उत्पादन हेतु मिट्टी परीक्षण करवाना नितांत आवश्यक है, यह उद्गार मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने विकासखण्ड मैथा के ग्राम प्रतापपुर में मृदा परीक्षण पर आधारित प्रशिक्षण में कृषकों एवं महिला कृषकों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कृषकों से कहा कि मिट्टी की जांच के बिना उर्वरको का इस्तेमाल करना, ठीक उसी तरह से है जैसे बिना डॉक्टर की सलाह के दवा का प्रयोग करना, इसलिए समय-समय पर मिट्टी का परीक्षण कर पोषक तत्वो के स्तर की जांच कर कृषि वैज्ञानिको के मार्गदर्शन में संतुलित मात्रा में खाद का उपयोग करें।

उल्लेखनीय है कि कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के तत्वाधान में मृदा परीक्षण के संबंध में कृषकों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से निरन्तर जन-जागरण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत् गांव-गांव मिट्टी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। डॉक्टर खलील खान ने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि जिस प्रकार से आप आयुष्मान कार्ड की उपयोगिता है, उसी प्रकार मृदा स्वास्थ्य कार्ड की भी है, इसे आप उसी प्रकार संभाल कर रखें, उसके अनुशंसित मात्रा के अनुसार उर्वरको का उपयोग करें। उन्होंने बताया कि प्रति इकाई लागत से अधिकतम उत्पादन हेतु परीक्षण नगण्य लागत वाला संसाधन है। प्रशिक्षण को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक ने जांच हेतु मिट्टी के नमूने लेने के बारे में कृषकों को बताया तथा कहा कि जो भी किसान खरीफ फसल की तैयारी कर रहे है, तो वे जरूर अपनी मिट्टी की जांच करा ले जिससे की मिट्टी में कौन-कौन से पोषक कितनी मात्रा में है तथा किन-किन तत्वों की कमी है पता चल जाएगा। शुभम् यादव, गौरव शुक्ला सहित कार्यक्रम में प्रतापपुर ग्राम के मुख्य रूप से 40-50 कृषक, महिला कृषक उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 16 अंक : 302 कानपुर, रविवार 27 अप्रैल 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

मिट्टी परीक्षण हेतु चलाया, जनजागरण अभियान

कानपुर (स्वरूप संवाददाता)। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषक प्रशिक्षण में बताया कि गर्मी में खेत खाली होते ही मिट्टी की जांच करवाए, बेहतर फसल उत्पादन हेतु मिट्टी परीक्षण करवाना नितांत आवश्यक है, यह उद्गार मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने विकासखण्ड मैथा के ग्राम प्रतापपुर में मृदा परीक्षण पर आधारित प्रशिक्षण में कृषकों एवं महिला कृषकों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कृषकों से कहा कि मिट्टी की जांच के बिना उर्वरको का इस्तेमाल करना, ठीक उसी तरह से है जैसे बिना डॉक्टर की सलाह के दवा का प्रयोग करना, इसलिए समय-समय पर मिट्टी का परीक्षण कर पोषक तत्वो के स्तर की जांच कर कृषि वैज्ञानिको के मार्गदर्शन में संतुलित मात्रा में खाद का उपयोग करें। उल्लेखनीय है कि कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के तत्वाधान में मृदा परीक्षण के संबंध में कृषकों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से निरन्तर जन-जागरण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत् गांव-गांव मिट्टी

प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। डॉक्टर खलील खान ने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि जिस प्रकार से आप आयुष्मान कार्ड की उपयोगिता है, उसी प्रकार मृदा स्वास्थ्य कार्ड की भी है, इसे आप उसी प्रकार संभाल कर रखें, उसके अनुशंसित मात्रा के अनुसार उर्वरको का उपयोग करें। उन्होंने बताया कि प्रति इकाई लागत से अधिकतम उत्पादन हेतु परीक्षण नगण्य लागत वाला संसाधन है। प्रशिक्षण को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक ने जांच हेतु मिट्टी के नमूने लेने के बारे में कृषकों को बताया तथा कहा कि जो भी किसान खरीफ फसल की तैयारी कर रहे है।

अमर भारती
एक उम्मीद
RNI No. UPHIN/2011/46455
www.amarbharti.com
रविवार, 27 अप्रैल 2025 शक सम्वत् 1947

मिट्टी परीक्षण के लिए चला जन जागरण अभियान

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषक प्रशिक्षण में बताया कि गर्मी में खेत खाली होते ही मिट्टी की जांच करवाए, बेहतर फसल उत्पादन हेतु मिट्टी परीक्षण करवाना नितांत आवश्यक है, यह उद्गार मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने विकासखण्ड मैथा के ग्राम प्रतापपुर में मृदा परीक्षण पर आधारित प्रशिक्षण में कृषकों एवं महिला कृषकों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कृषकों से कहा कि मिट्टी की जांच के बिना उर्वरको का इस्तेमाल करना, ठीक उसी तरह से है जैसे बिना डॉक्टर की सलाह के दवा का प्रयोग करना, इसलिए समय-समय पर मिट्टी का परीक्षण कर पोषक तत्वो के स्तर की जांच कर कृषि वैज्ञानिको के मार्गदर्शन में संतुलित मात्रा में खाद का उपयोग करें। उल्लेखनीय है कि कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के तत्वाधान में मृदा परीक्षण के संबंध में कृषकों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से निरन्तर जन-जागरण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत् गांव-गांव मिट्टी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। डॉक्टर खलील खान ने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि जिस प्रकार से आप आयुष्मान कार्ड की उपयोगिता है, उसी प्रकार मृदा स्वास्थ्य कार्ड की भी है, इसे आप उसी प्रकार संभाल कर रखें, उसके अनुशंसित मात्रा के अनुसार उर्वरको का उपयोग करें। उन्होंने बताया कि प्रति इकाई लागत से अधिकतम उत्पादन हेतु परीक्षण नगण्य लागत वाला संसाधन है। प्रशिक्षण को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक ने जांच हेतु मिट्टी के नमूने लेने के बारे में कृषकों को बताया तथा कहा कि जो भी किसान खरीफ फसल की तैयारी कर रहे है, तो वे जरूर अपनी मिट्टी की जांच करा ले जिससे की मिट्टी में कौन-कौन से पोषक कितनी मात्रा में है तथा किन-किन तत्वों की कमी है पता चल जाएगा। शुभम् यादव, गौरव शुक्ला सहित कार्यक्रम में प्रतापपुर ग्राम के मुख्य रूप से 40-50 कृषक, महिला कृषक उपस्थित रहे।

वर्ष-18 अंक-178 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, रविवार 27 अप्रैल 2025

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

RNI No.- UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

सीएसए में परास्नातक एवं शोध छात्रों हेतु हुआ क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि अनुवांशिकीय एवं पादप प्रजनन विभाग में छात्रों हेतु कृषि शोध वैज्ञानिक पर आधारित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभाग अध्यक्ष डॉ आरके यादव ने बताया कि यह प्रतियोगिता परास्नातक एवं शोध छात्रों हेतु वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण वाले प्रश्नों के माध्यम से पादप प्रजनन एवं अनुवांशिकी विषय के विभिन्न तकनीकों पर गहन ज्ञान परीक्षण हेतु किया गया। डॉक्टर यादव ने बताया कि परास्नातक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार अंजली वर्मा, द्वितीय पुरस्कार नैमिष राजपूत एवं तृतीय पुरस्कार उत्कर्ष प्रसाद को प्रदान किया गया। जबकि पी एचडी श्रेणी में प्रथम पुरस्कार अलका जायसवाल, द्वितीय पुरस्कार अमृत कुमार तथा तृतीय पुरस्कार कीर्ति सिंह को मिला ।पुरस्कार विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं पुस्तके प्रदान की गई। इस अवसर पर विभाग के डॉक्टर लोकेंद्र सिंह,डॉक्टर सोमवीर सिंह,डॉक्टर श्वेता यादव, डॉक्टर संजय पाठक, डॉक्टर विवेकानंद यादव सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स

E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com

सत्य ही कर्तव्य

क :96 कानपुर, रविवार 27 अप्रैल 2025 RNI UPHIN/2010/47220 पृष्ठ : 4

सीएसए में परास्नातक एवं शोध छात्रों हेतु हुआ क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि अनुवांशिकीय एवं पादप प्रजनन विभाग में छात्रों हेतु कृषि शोध वैज्ञानिक पर आधारित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभाग अध्यक्ष डॉ आरके यादव ने बताया कि यह प्रतियोगिता परास्नातक एवं शोध छात्रों हेतु वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण वाले प्रश्नों के माध्यम से पादप प्रजनन एवं अनुवांशिकी विषय के विभिन्न तकनीकों पर गहन ज्ञान परीक्षण हेतु किया गया। डॉक्टर यादव ने बताया कि परास्नातक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार अंजली वर्मा, द्वितीय पुरस्कार नैमिष राजपूत एवं तृतीय पुरस्कार उत्कर्ष प्रसाद को प्रदान किया गया। जबकि पी एचडी श्रेणी में प्रथम पुरस्कार अलका जायसवाल, द्वितीय पुरस्कार अमृत कुमार तथा तृतीय पुरस्कार कीर्ति सिंह को मिला ।पुरस्कार विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं पुस्तके प्रदान की गई। इस अवसर पर विभाग के डॉक्टर लोकेंद्र सिंह,डॉक्टर सोमवीर सिंह,डॉक्टर श्वेता यादव, डॉक्टर संजय पाठक, डॉक्टर विवेकानंद यादव सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 16 अंक : 302 कानपुर, रविवार 27 अप्रैल 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

क्विज प्रतियोगिता के विजयी छात्रों को प्रदान की गई प्रमाण पत्र एवं पुस्तकें

कानपुर (स्वरूप संवाददाता)। आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कृषि अनुवांशिकीय एवं पादप प्रजनन विभाग में छात्रों हेतु कृषि शोध वैज्ञानिक पर आधारित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभाग अध्यक्ष डॉ आरके यादव ने बताया कि यह प्रतियोगिता परास्नातक एवं शोध छात्रों हेतु वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण वाले प्रश्नों के माध्यम से पादप प्रजनन एवं अनुवांशिकी विषय के विभिन्न तकनीकों पर गहन ज्ञान परीक्षण हेतु किया गया। डॉक्टर यादव ने बताया कि परास्नातक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार अंजली वर्मा, द्वितीय पुरस्कार नैमिष राजपूत एवं तृतीय पुरस्कार उत्कर्ष प्रसाद को प्रदान किया गया। जबकि पी एचडी श्रेणी में प्रथम पुरस्कार अलका जायसवाल, द्वितीय पुरस्कार अमृत कुमार तथा तृतीय पुरस्कार कीर्ति सिंह को मिला। पुरस्कार विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं पुस्तके प्रदान की गई। इस अवसर पर विभाग के डॉक्टर लोकेंद्र सिंह, डॉक्टर सोमवीर सिंह, डॉक्टर श्वेता यादव, डॉक्टर संजय पाठक, डॉक्टर विवेकानंद यादव सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

तए

!जिससे घटना न कार के तीफा दे द्विवेदी, शुक्ला, श्यामदेव हरिराम चतुर्वेदी य शंकर हा, मधु

एच

कानपुर संवाददाता) प्रधानमंत्री आवेदन कि मुख्यातिथि वर्मा शामि अलग अल युवाओं को उनके उज्जव की बताते च में सांसद रमे जनप्रतिनिधि

उधर हुए केंद्रीय म में 45 स्था मेले का अ जिसमें का युवाओं को उनमें से 87 दिए गए है।

जिसमें ईएसआईसी विभाग शामि है कि यह

अमर भारती
एक उम्मीद
स्करण
य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com रविवार, 27 अप्रैल 2025 शक सम्वत् 1947,

विजयी छात्रों को मिले प्रमाण पत्र और पुस्तकें

कानपुर(अमर भारती)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कृषि अनुवांशिकीय एवं पादप प्रजनन विभाग में छात्रों हेतु कृषि शोध वैज्ञानिक पर आधारित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभाग अध्यक्ष डॉ आरके यादव ने बताया कि यह प्रतियोगिता परास्नातक एवं शोध छात्रों हेतु वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण वाले प्रश्नों के माध्यम से पादप प्रजनन एवं अनुवांशिकी विषय के विभिन्न तकनीकों पर गहन ज्ञान परीक्षण हेतु किया गया। डॉक्टर यादव ने बताया कि परास्नातक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार अंजली वर्मा, द्वितीय पुरस्कार नैमिष राजपूत एवं तृतीय पुरस्कार उत्कर्ष प्रसाद को प्रदान किया गया। जबकि पी एचडी श्रेणी में प्रथम पुरस्कार अलका जायसवाल, द्वितीय पुरस्कार अमृत कुमार तथा तृतीय पुरस्कार कीर्ति सिंह को मिला। पुरस्कार विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं पुस्तके प्रदान की गई। इस अवसर पर विभाग के डॉक्टर लोकेंद्र सिंह, डॉक्टर सोमवीर सिंह, डॉक्टर श्वेता यादव, डॉक्टर संजय पाठक, डॉक्टर विवेकानंद यादव सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।